सागर कुस्मीके संक्षिप्त जीवनी, व्यक्तित्व ओ कृतित्व

मुठ लेहाइ

सागर कुस्मी संगत थारु साहित्यके टमान विधामे कलम चलैना हिरगर स्रस्टा हुइँट । थारु भासा सात्यिमे उहाँक् ढेर योगदान बटिन । उहाँक् योगदानहे हेर्नाहो कलेसे थारु समाजके लाग प्रेरणादायक बा । उहाँक् लेख रचना टमान पत्रपत्रिकामे प्रकाशित हुइल भेटाजाइठ । सागर कुस्मीके संक्षिप्त जीवनी, व्यक्तित्व ओ कृतित्व बारेमे केन्द्रित होके यी जविनी तयार पारगैल बा ।

पारिवारिक पृष्ठभूमि ओ जन्म

सागर कुस्मी संगतके वास्तविक नाउँ हो सागर कुस्मी चौधरी हुइन । उहाँक् पुर्खा लोग दांगके पिपरी गाउँसे छारा कैके आइल हुइँट । सुरुमे दांगसे कैलालीके उजलीसेमरा गाउँमे पुगलैं । वहाँसे फेन छारा कैके डख्खिन टेंर्ही गाउँमे पुगलैं । सागर कुस्मीके जलम वि.स. २०४५ साल अगहन १५ गते कैलाली जिल्लाके साविक बसौटी गाविस वडा नम्बर ७ (हाल कैलालरी गाउँपालिका ८) डख्खिन टेंर्ही गाउँमे डाइ जुगरामी देवी डंगौरा थारु ओ बाबा लक्ष्मण प्रसाद डंगौरा थारुके कोखसे हुइलिन ।

उहाँक् डाइबाबाके कोखसे सुरुमे एकठो छावा लर्का जन्मलिन । मने उ लर्का छोटेमे बिटगैलिन । ओकर बाड सागर कुस्मीके जलम हुइलिन । उहाँक् पाछे डुइठो भैया फेन जन्मलिन । छुट्की भैया फेन छोटेमे बिटगैलिन । डोसर भैया शंकर कुस्मी कक्षा ९ मे पर्हाटि पर्हाटि सेती अस्पतालमे उपचारके क्रमे ओरैलिन । उहाँक् बुडुक् नाउँ सवारी डंगौरा थारु हुइन । उ बहुत सिकारी रहिंट । हुँकारठन लाइसेन्स रहल बन्दुक रहिन । जब उहाँ जन्मलैं टे सामान्य घर ओ जन्गर परिवार हुइलक ओरसे घरम खैना लगैना बहुत समस्या रहिन ।

बाल्यकाल ओ शिक्षादिक्षा

सागर कुस्मीके बाल्यकाल अपने गाउँ डख्खिन टेंर्हीमे बिट्लिन । परिवारके शिक्षाप्रतिके लगाबके कारण छोटे उमेरमे अपने घरमे अपन बाबासे क ख रा सिख्ना मौका पैलैं । उहाँक् शिशु कक्षा अपने गाउँक् स्कूलमे पर्हलैं । ओकर बाड २ कक्षासे ५ कक्षासम हसुलियामे रहल स्कूल ब्राइट स्टारमे, कक्षा ६ से १० सम धनगढीके शारदा मावि धनगढीमे अध्ययन करलैं । ओस्टेके कैलाली बहुमुखी क्याम्पस धनगढीमे कक्षा ११ ओ १२ के शिक्षा हाँसिल करलैं । घरक् आर्थिक स्थिति कमजोर हुइलक ओरसे बेचलर पर्हाइ छोरे पर्लिन । एकओर पर्हाइ डोसरओर काम करे पर्ना अवस्था हुइलक ओरसे पर्हाइहे आघे बर्हाइ नैसेक्लैं । उहाँ क्याम्पस फेन मजदुरी कैके पर्हलैं ।

जागिरे जीवन

सागर कुस्मी एसएलसी उत्तीर्ण कैके २०६५ सालमे डिस्कभरी इंगलिश बोर्डिंग स्कुल धनगढीमा प्राइभेट जागिर २ बरससम प्रिन्सिपल होके काम करलैं । ओकर बाड बोण्ड इंगलिश बोर्डिग स्कुल हसुलियामे फेन शिक्षक होके काम करलैं । ओस्टके टमान प्राइभेट संघसंस्थामे आबद्ध होके फेन काम करल पाजाइठ ।

साहित्य सिर्जना

सागर कुस्मी थारु साहित्यिक क्षेत्रमे सागर कुस्मी संगतसे नाउँ प्रख्यात हुइलैं । उहाँक् लेखनके सुरुवात कवितासे हुइल भेटाजाइठ । उहाँ गजल, मुक्तक, कविता, संस्मरण, ताँका, हाइकु, निबन्ध, समीक्षा, उदक विधामे ढेर कलम चलैनाके संगे थारु लोककथा, लोकसंस्कृति विषयमे खोज तथा अनुसन्धान कैके ढेर कलम चलाइल पाजाइठ ।

प्रकाशित कृति

सागर कुस्मी संगत गजल, मुक्तक, कविता, हाइकु, ताँका, कथा, लघुकथा, लोककथा, संस्मरण, निबन्ध, अनुसन्धान मुलक लेख लिख्नामे हिरगर स्रस्टा मानजैठैं । सागर कुस्मी थारु भासा साहित्यमे २०५४ साल छोटे उमेरसे कलम चलाइल पाजाइठ । रेडियो नेपाल सुर्खेतसे प्रशारण हुइना हमार पहुरा कार्यक्रममे उहाँक् ढेर कविता ओ गजल प्रशारण हुइल पाजाइठ । उहाँक् कृति थारु भासामे हस्ताक्षर गजल संग्रह (२०६८), फुटल पोक्री गजल संग्रह (२०६८), आँशके सागर मुक्तक संग्रह (२०६९) प्रकाशित हुइल बटिन । उहाँक् ठन अभिन बहुत कृतिके पाण्डुलिपि प्रकाशनके तयारीमे बटिन । ओस्टेके भटौर हाइकु संग्रह, सागरके गागर गजल संग्रह, लोककथा संग्रह, लोकगीत संग्रह फेन प्रकाशनके तयारीमे बटिन ।

सम्पादित कृति

सागर कुस्मीसे टमान साहित्यकार ओइनके कुति फेन सम्पादन हुइल पाजाइठ । उहाँ सम्पादनमे कैलालीके रामचरण चौधरीके मोर टुटल झोंपरी गजल संग्रह (२०७०), कंचनपुरके अशोक चौधरीके मनके आवाज गजल संग्रह (२०७०), सन्तोष चौधरीके दिलके नजरिया गजल संग्रह (२०७३), साफी चौधरीके सिर्जल मुक्तक संग्रह (२०७४), गोरपासु निबन्ध संग्रह (२०७८), वीरबहादुर राजवंशीके जोंजा निबन्ध संग्रह (२०७८) प्रकाशित हुइल बा ।

पुरस्कार तथा सम्मान

सागर कुस्मी टमान संघसंस्था पुरस्कार, सम्मान, प्रशंसा, कदर पत्रसे सम्मानित हुइल पाजाइठ । उहाँके साहित्यमे करल योगदानहे उच्च मूल्यांकन कैके सुदूरपश्चिमाञ्चल साहित्य समाज कैलाली यशोदा राई भट्ट प्रतिभा साहित्य पुरस्कार २०६७ से पुरस्कृत कैले

बा । ओस्टेके सुदूरपश्चिमाञ्चल साहित्य समाज कैलालीसे फेन उहाँ युवा गजल पुरस्कार २०६६ से पुरस्कृत हुइल बटैं । अस्टके उहाँहे दर्जनसे ढेर संघसंस्था पुरस्कार ओ सम्मान कैसेक्ले बा ।

आबद्ध संघसंस्था

साविक बसौटी गाविस हाल कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ८ गाउँ डख्खिन टेंर्ही गाउँमे जन्मल सागर कुस्मी कैलाली जिल्लक थारु साहित्यकार मध्य ठुरखम्भा हुइँट । कैलाली जिल्लामे थारु भासा साहित्यके अभियान सुरुवाट करुइया जो सागर कुस्मी संगत हुइँट । छिट्कल थारु साहित्यिक सामाज हसुलिया कैलाली, जिउगर साहित्यिक फँटुवा धनगढी कैलाली, ओ हिरगर साहित्यिक बगाल कैलाली लगायत संस्थाहे यहाँसम पुगैनामे उहाँके ढेर मेहनत, परिश्रम ओ हाँठ बा । कैलालमे नियमित साहित्यिक श्रृंङ्खला चलुइया फेन सागर कुस्मी जो हुइँट । थारु भासा साहित्यमे सागर कुस्मीके कैलालीमे बहुत भारी योगदान बटिन ।

सागर कुस्मी छिट्कल थारु साहित्य समाज हसुलिया कैलाली २०६८के संस्थापक अध्यक्ष, जिउगर साहित्यिक फँटुवा कैलाली २०७० के संस्थापक अध्यक्ष, हिरगर साहित्यिक बगाल कैलाली २०७१ के संस्थापक सचिव, थारु लेखक संघ नेपालके केन्द्रिय सदस्य, सुदूरपश्चिमाञ्चल गजल मञ्च कैलालीके आजीवन सदस्य, लावा डग्गर त्रैमासिक पत्रिका दांगके आजीवन सदस्य, हरचाली साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका कैलालीके आजीवन सदस्य फेन हुइटैं ।

हरचाली साहित्यिक त्रैमासिक प्रकासन

ओस्टेके कुस्मी, हमार पहुरा दैनिक, पहुरा दैनिकमे नम्मा समयसम् अनुभव बिटोरके साहित्यिक पत्रकारितामे सक्रिय बटैं । २०७१ साल फागुन २८ गते जिल्ला प्रसासन कार्यालय कैलालीमे विधिवत रुपमे दर्ता कैके हरचाली साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिकाके प्रकासन कर्टि बटैं । एकर प्रकाशक ओ सम्पादक कुस्मी अप्नही हुइटैं । कैलाली जिल्लामे अब्बेसम नियमित रहल एक्केठो किल साहित्यिक पत्रिका हो हरचाली सात बरससे लगतार प्रकाशित हुइटि रहल इ पत्रिका अब्बेसम् ३५ अंकसम् निकर सेकल बा ।

निसराउ साप्ताहिक प्रकासन

साहित्यकार/पत्रकार सागर कुस्मी प्रकासन ओ सम्पादनमे धनगढी कैलालीसे २०७७ भदौ महिना थारु भासक् निसराउ साप्ताहिक पत्रिका फेन प्रकासन हुइटी बा । सुदूरपश्चिमसे थारु भासक् साप्ताहिक पत्रिकामार्फत सागर कुस्मी थारु समुदायके भासा, कला, संस्कृति ओ साहित्यके उत्थान हुइटी रहल कैलालीसे नियमित थारु भासक् इहे किल साप्ताहिक पत्रिका हो ।

ओस्टेके सागर कुस्मी बिगत डेढ दसकसे पत्रकारिता कर्टि आइल बटैं । धनगढीसे प्रकासित निसराउ साप्ताहिक, पहुरा साप्ताहिकमे कुछ अनुभव बिटोरके २०६३ सालसे हमार पहुरा अर्धसाप्ताहिक, हमार पहुरा थारु दैनिक, पहुरा थारु दैनिकमे लम्मा समयसम् संवाददाता होके सक्रिय रुपमे कलम चलैटी आइल एक जुझारु पत्रकार फेन हुइँट् ।

छोट्टेसे साहित्य, संगीत, कला, संस्कृतिमे रुचि रहल कुस्मी पत्रकारिता संगसंगे थारु साहित्यिक पत्रकारितामे फेन उहाँक् बहुत भारी योगदान बटिन् । कैलाली जिल्लासे नियमित प्रकाशित हुइटि रहल हरचाली साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिकाके ओ निसराउ सापताहिक पत्रिकाके प्रकासक ओ प्रधान सम्पादक समेत रहल कुस्मी थारु साहित्यहे ढेर उचाइमे पुगैले बटैं । उहाँ खोज तथा अनुसन्धान मुलक साहित्यिक पत्रकारितामे कलम चलैठैं । उहाँ अभ्कल नेपाल पत्रकार महासंघ कैलालीके सदस्य, थारु पत्रकार संघ कैलालीके उपाध्यक्ष, आदिवासी जनजाति पत्रकार संघके सचिव फेन हुइँट । उहाँ अभ्कल थारु भासा, साहित्य ओ संस्कृतिमे अनुसन्धान मुलक लेख रचनामे लागल बटैं ।

कंचनपुरके थारु भासक् पहिल पत्रिका

कंचनपुर जिल्लाके थारु भासक् पहिल पत्रिका सुमिरन पत्रिकाके प्रकाशक ओ सम्पादक होके थारु भासा साहित्यहे सेवा करले बटैं । सुमिरन पत्रिका कंचनपुरके थारु भासक् पहिल पत्रिका हो । इ पकिा २०७४।०७५ सालसम २ अंक प्रकाशन हुइल बिल्गाइठ ।

कुशल कार्यक्रम संचालक

साहित्यकार तथा पत्रकार सागर कुस्मी एक बुशल कार्यक्रम संचालक, व्यवस्थापक फेन हुइँट । उहाँ बुशल गजल प्रशिक्षक फेन हुइँट । गजल लेखन तालिमसे कैयो युवा गजल संग्रह पोस्टा प्रकाशन कैसेक्ले बटैं । कैलाली कंचनपुरमे कैयो बार गजल प्रशिक्षण डेसेक्ले बटैं ।

निष्कर्ष

सागर कुस्मी संगतहे कैलाली किल नाही पुरा देश गौरव करे सेक्ना लायक प्रतिभा हुइटैं । उहाँक् लेखनके बारेमे टमान कोणसे चर्चापरिचर्चा हुइना क्रम जारी बा । उहाँक् साहित्य साधनाके सम्मानके लाग अभिनन्दन एवम् अभिनन्दन ग्रन्थ प्रकाशित हुइना जरुरी बा । उहाँक् साहित्यिक जीवनके प्रगतिके कामना सहित सुस्वास्थ्यके कामना बा ।

सागर कुस्मी